Childhood and Growing up

Prof. Shobha Gaur

Department of Education

DDU Gorakhpur university , Gorakhpur

B.Ed 1 Year

Course 11

Unit 1

Meaning of Educational Psychology

शिक्षा मनोविज्ञान शैक्षिक परिस्थितियों में मानव व्यवहार का अध्ययन करता है और उसका लक्ष्य बालक के व्यवहार में वांछनीय परिवर्तन करना है।

परिवर्तन गतिशीलता का परिचायक है माता-पिता तथा शिक्षक सभी जानते हैं कि बालक एक गतिशील प्राणी होता है ।"अनवरत परिवर्तन होना ही जीवित रहना है । " यह कथन स्पष्ट करता है कि जीवन में परिवर्तन आवश्यक है और परिवर्तन होने से अभिवृद्धि होती है , विकास होता है ।जिसके फलस्वरूप मानव जीवन में प्रगति होती है । मानव की शिक्षा उसे प्रगति की ओर ले जाती है ।

शिक्षा मानव जीवन का प्रमुख उद्देश्य है शिक्षा की प्रक्रिया में उत्तरोत्तर गुणात्मक सुधार लाना एवं ऐसी नवीन वैज्ञानिक शिक्षण विधियों का निर्माण करना जिससे बालक के व्यक्तित्व का समग्र विकास हो सके ।

बालक के सर्वांगीण विकास के लिए यह आवश्यक है कि एक शिक्षक को बालक के सामान्य विकास एवं विकास की विभिन्न अवस्थाओं का ज्ञान हो। शिक्षा की प्रक्रिया का विकास की प्रक्रिया से घनिष्ठ संबंध है। अतः एक शिक्षक को बालक की अभिवृद्धि के साथ साथ उसमें होने वाले विकास एवं उनकी विशेषताओं की ज्ञान होना अति आवश्यक है।

मनोवैज्ञानिक Hurlock का कथन है कि Development results in new characteristics and new abilities. अर्थात विकास के परिणामस्वरूप व्यक्ति में नवीन विशेषताएं और नवीन योग्यताएं प्रकट होती हैं।

बालक का केवल बौद्धिक पक्ष ही नहीं बल्कि उसके व्यक्तित्व के सर्वांगीड विकास के लिए उसकी शारीरिक ,मानसिक, सामाजिक तथा संवेगात्मक अवस्थाएं भी महत्वपूर्ण है। इसके लिए आवश्यक है कि हम पहले बालक को समझें और उसे समझने के लिऐं शिक्षा एवं मनोविज्ञान की अवधारणा को भली भांति समझना अतिआवश्यक है।

मनुष्य सर्वाधिक बुद्धिमान प्राणी है ।उसमें जिज्ञासा की एक नैसर्गिक प्रविति होती है। बुद्धि युक्त एवं जिज्ञासु होने के कारण वह सदैव अपनी आवश्यकताओं की पूर्ति हेतु नवीन ज्ञान विज्ञान की खोज के लिए निरंतर प्रयत्न शील रहा है ।अपनेप्रयत्नों से मनुष्य ने ज्ञान विज्ञान की अनेक नई शाखाओं का प्रतिपादन किया है जिसके परिणाम स्वरुप मानवीय ज्ञान के भंडार में पर्याप्त वृद्धि हुई है शिक्षा मनोविज्ञान भी मानवीय ज्ञान की एक शाखा है ।

ज्ञान विज्ञान की नवीन शाखा अथवा विषय अथवा शास्त्र का व्यवस्थित ढंग से अध्ययन करने हेतु उसके अर्थ को भलीभांति समझना और उसे परिभाषित करना आवश्यक होता है। शिक्षा मनोविज्ञान एक नव विकसित विज्ञान है तथा यह ज्ञान की दो शाखा के योग से बना है ,'शिक्षा 'एवं ' मनोविज्ञान '।अतः 'शिक्षा' एवं 'मनोविज्ञान' दोनों को भलीभांति समझना अति आवश्यक है।

मानव सभ्यता एवं संस्कृति के विकास में शिक्षा का सर्वाधिक महत्वपूर्ण योगदान है । मानव शिशु को एक सामाजिक प्राणी के रुप में विकसित करने में शिक्षा की भूमिका सबसे अधिक महत्वपूर्ण होती है। शिक्षा के माध्यम से ही व्यक्ति के पाशविक मूल प्रवृत्तियों का परिमार्जन होता है तथा उसकी अपरिपक्वता का परिपक्वता में ,पाशविकता का मानवता में तथा बर्बरता का सभ्यता में रुपांतर होता है ।मानवीय ज्ञान एवं व्यक्तित्व के विकास का प्रमुख साधन शिक्षा ही है ।

Education

भारतीय ग्रंथों के अनुसार **शिक्षा** शब्द की उत्पत्ति संस्कृत भाषा के शिक्ष धातु से हुई है जिसका अर्थ होता है **सीखना** , **विद्या प्राप्त करना** अथवा **ज्ञानार्जन करना** |

शिक्षा वह प्रक्रिया है जिसके माध्यम से ज्ञान अथवा विद्या अर्जित की जाती है।

अंग्रेजी में शिक्षा के लिए **Education** शब्द का प्रयोग किया जाता है **EducaXtion** शब्द.की उत्पत्ति लेटिन भाषा के ए ड के **Educatum** शब्द से हुई है | जो दो शब्दों के योग से बना है **E** तथा. **Duco** **E** अर्थ है **अंदर से बाहर की ओर** तथा **Duco** का अर्थ हे **निकालना** अथवा **आगे ले जाना** इस प्रकार **Educatum** का अर्थ **अंदर से बाहर की ओर ले जाना** है |

Education अर्थात शिक्षा का शाब्दिक अर्थ व्यक्ति की अंतर्निहित अर्थात आंतरिक शक्तियों को बाहर निकाला है।

"Education is a natural , harmonious and progressive development of men's innate powers "

--Pestaloz

संकचित् अर्थ में शिक्षा का अर्थ हमारी शक्तियों के विकास एवं उनके परिमार्जन हेतु चेतनापूर्वक निर्देशित प्रयासों से लिया जा सकता है ।

In narrow sense, it may be taken to mean by any consciously, directed affort to development and cultivate our powers". – J.S.Mackenzie

व्यापक अर्थ में शिक्षा एक प्रक्रिया है जो जीवन –पर्यन्त चलती है तथा जीवन के प्रत्येक अनुभव से उसके भंडार में वृद्धि होती है ।

" In wider sense , education is a process that goes on throughout life and that is promoted by almost every experience of life ". -J.S.Makenzie

शिक्षा एक ऐसी प्रक्रिया है जो मनुष्य की जन्मजात शक्तियों गुणों और रुचि यों का इस प्रकार विकास करती है जिससे उसे अपने सामाजिक वातावरण से समायोजन स्थापित करने करने में सहायता मिलती है। इसके साथ ही साथ वह व्यक्ति के व्यक्तित्व का विकास करती है तथा उसके व्यवहार में ऐसा परिवर्तन करती है जो उसके अपने एवं समाज के लिए उपयोगी होता है। इस प्रकार शिक्षा मनुष्य का सर्वांगीण विकास करने वाली एक सतत प्रक्रिया है ।

"By education I mean an all round drawing out of the best in child and man –body, mind and soul .". M. K .Gandhi

शिक्षा से मेरा अभिप्राय बालक एवं मनुष्य के शरीर, मन और आत्मा में निहित सर्वोत्तम शक्तियों के सर्वांगीण प्रकटीकरण से है ।

रवीन्द्रनाथ टैगोर के अनुसार सर्वोच्च शिक्षा वह है जो हमें केवल सूचनाएं ही नहीं देती अपितु हमारे जीवन और सम्पूर्ण सृष्टि से तारतम्य स्थापित करती है ।

T.P.Nun – "Education is complete development of the individuality of the child, so that he can make an original contribution to human life according to his best capacity ."

अर्थात शिक्षा बालक के व्यक्तित्व का पूर्ण विकास है जिससे व्यक्ति अपनी अधिकतम क्षमता के अनुसार मानव जीवन को मौलिक योगदान कर सके ।

चूंकि शिक्षा जीवनपर्यंत चलने वाली विकास की प्रक्रिया है ।शिक्षा प्रक्रिया में सक्रिय भाग लेने वाले अध्यापक और विदयार्थी होते हैं। प्रायः शिक्षक के सामने यह प्रश्न उपस्थित होता है कि वह किस प्रकार की शिक्षा विदयार्थी को प्रदान करे ,कब और क्या सिखाये और किन स्थितियों में उसके साथ किस प्रकार का व्यवहार करे। इसके लिए मनोविज्ञान के अध्ययन की आवश्यकता पड़ती है । मनोविज्ञान मानव व्यवहार को समझने में सहायता देता है । यह एक व्यावहारिक विज्ञान है ।

Psychology

मनोविज्ञान Psychologyशब्द का हिंदी रूपांतर ह। यह ग्रीक भाषा के दो शब्दों Psyche तथा logosसे मिलकर बना है । Psyche का अर्थ है आत्मा और logos का अर्थ है ज्ञान अथवा विज्ञान | इस प्रकार Psychology शब्द का अर्थ हुआ आत्मा का विज्ञान | (Science of Soul)मनोविज्ञान को 16 वीं शताब्दी तक आत्मा का विज्ञान माना जाता था लेकिन आत्मा का स्वरूप निश्चित ना होने के कारण इसे मस्तिष्क का विज्ञान (Science of Mind)कहा जाने लगा |मस्तिष्क का स्वरूप क्या है इसे समझना भी कठिन था इसलिए इसे चेतना का विज्ञान(Science of Consciousness) कहा गया। लेकिन मन केवल चेतन ही नहीं होता अपितु अचेतन और अर्ध चेतन मन भी होता है और इन तीनों के आधार पर मानव व्यवहार करता है। इसलिए इसे व्यवहार का विज्ञान (Science of Behavior) कहा गया | मनोविज्ञान वातावरण के संपर्क में होने वाले मानव व्यवहार का विज्ञान है।

"Psychology is the positive science of experience and behaviour interpreted in terms of experience .". Munn

मनोविज्ञान व्यवहार और अनुभूति का एक निश्चित विज्ञान , विधायक विज्ञान **(Positive Science) है** जिसमें व्यवहार को अनुभूति के माध्यम से अभिव्यक्त किया जाता है ।

Crow and Crow –"Psychology is the study of human behaviour and human relationship ."

मनोविज्ञान मानव व्यवहार और मानव सम्बन्धों का अध्यन है ।

इसप्रकार मनोविज्ञान को एक विधायक विज्ञान की श्रेणी में रखा जा सकता है ।यह व्यक्ति की मानसिक एवं शारीरिक क्रियाओं का अध्ययन करने वाला विज्ञान है ।मानसिक क्रिया अनुभूति अथवा अनुभवजन्य होती है तथा शारीरिक क्रिया व्यवहारजन्य । इन दोनों क्रियाओं का सम्मिलित अध्ययन मानव व्यवहार के अध्ययन को सही दिशा प्रदान करता है ।

Branches of Psychology

- 1. Theoretical Psychology
- 2. Applied Psychology
- 1. Theoretical Psychology
- Normal Psychology
- Physiological Psychology
- Experimental Psychology
- Child Psychology
- Adolescence Psychology
- Animal Psychology
- Abnormal Psychology
- Social Psychology

- 2 Applied Psychology
- **Educational Psychology**
- Industrial Psychology
- Vocational Psychology
- Clinical psychology
- Medical Psychology
- Criminal Psychology
- Legal Psychology

Educational Psychology शिक्षा मनोविज्ञान अपना अर्थ शिक्षा से,जो सामाजिक प्रक्रिया है और मनोविज्ञान से,जो व्यवहार सम्बन्धी विज्ञान है से ग्रहण करता है ।

Educational Psychology

शिक्षा मनोविज्ञान वह विधायक विज्ञान है जो शिक्षा की समस्याओं का विवेचन ,विश्लेषण एवं समाधान करता है ।

मनोविज्ञान मानव व्यवहार का विज्ञान है तथा शिक्षा मानव - व्यवहार में परिवर्तन करके उसका परिमार्जन करती है अर्थात उसे उत्तम बनाने का प्रयास करती है । शिक्षा एवं मनोविज्ञान दोनों का सम्बंध मानव व्यव**हार से है।**

Education is a Regulating or Normative Science . शिक्षा एक नियामक विज्ञान है जो लक्ष्य निर्धारित करता है ।मनोविज्ञान एक Positive Science है जो वस्तुस्थिति दर्शाता है । इस प्रकार शिक्षा मनोविज्ञान एक विधायक विज्ञान है जो लक्ष्यों को पूरा करने अथवा एक स्थिति से दूसरी वांछित स्थिति पर पहुँचने के लिए साधन या ढंग बताता है ।

शिक्षा प्रक्रिया के दो प्रमुख पक्ष हैं –

1. **शिक्षा ग्रहण करना**
2. **शिक्षा प्रदान करना**

शिक्षा ग्रहण करने वाला शिक्षार्थी होता है और शिक्षा प्रदान करने वाला शिक्षक कहलाता है ।

शिक्षा मनोविज्ञान वह विज्ञान है जो शिक्षार्थी की शिक्षा ग्रहण करने की प्रक्रिया तथा शिक्षक की शिक्षा प्रदान करने की प्रक्रिया का मनोविज्ञानिक रूप से अध्ययन करता है ।

प्रायः शिक्षक के सामने यह प्रश्न उपस्थित होता है कि वह किस प्रकार की शिक्षा शिक्षार्थी को प्रदान करे ,कब और क्या सिखाये और किन स्थितियों में उसके साथ किस प्रकार का व्यवहार करे । इसके लिए मनोविज्ञान की आवश्यकता पड़ती है। मनोविज्ञान मानव व्यवहार को समझने में सहायता देता है । शिक्षा की समस्याओं के अध्ययन में मनोविज्ञान के सिद्धांतों का प्रयोग होना ही शिक्षा मनोविज्ञान है ।

References

- Chauhan Reeta (2018), Childhood and growing up,Agrawal Publications,Agra
- Pal S,K (2015) , Adhigam ka vikas evm shikshan adhigam prakriya , New Kailash Prakashan ,Allahabad
- Pal S.K (2010),Shiksha Manovigyan , New Kailash Prakashan , Allahabad
- Pathak R.P (2 008), Uchch Shiksha Manovigyan,Pearsan ,Delhi

- Saraswat M (2013),Shiksha Manovigyan Ki Roop Rekha ,Alok Prakashan ,lucknow Allahabad

Sharma R.K (2006), Psychological Foundation of child Development ,Radha Prakashan Mandir ,Agra

- Yadav S.R(2008), Adhigam karta ka vikas evm shikshan adhikansh Prakriya,Sharda Pustak Bhavan, Allahabad

Thanks